281 • फरवरी 2010

चकमक

बाल विज्ञान पत्रिका

इस अंक में

2 चाँदनी रात में
6 हमारी धरती गरम होती जा रही है?
10 दुनिया के रंग हज़ार
11 ब्रिस्बेन टेस्ट : एक टाई ने दो देशों को बाँध दिया
17 झूठे किस्से गढ़ने में मुझे महारत हासिल थी
20 लल्लू चोर
22 तीन दोस्त
24 साबू दस्तगीर
29 आइने से प्रयोग
31 अँधेरे-उजाले का जादूगर
34 जब भालू का नटखट बच्चा काँटेदार तारों में फँसा
37 लकड़ी का बक्सा
40 रंग हैं कि जादू!

जुगनू भाई, जुगनू भाई

जुगनू भाई, जुगनू भाई
कहाँ चले?
जहाँ अँधेरा छाया,
हम तो वहीं चले।

जुगनू भाई,
अँधियारे में क्यों जाते
भूली-भटकी तितली को
घर पहुँचाते।

जुगनू भाई,
किसकी टॉर्च चुराई है
हमने तो यह चमक
जनम से पाई है।

जुगनू भाई,
हमको भी चमकाओगे
चमकोगे जब
काम किसी के आओगे।

कवि: अज्ञात

17
मैंने शंख, सील, फ्रेंक, सिक्के और खनिज़ न जाने क्या-क्या जुटाना शुरू कर दिए थे। इसी शौक ने मुझे व्यवस्थित प्रकृति वैज्ञानिक बनाने में मदद की।

10
लगता है जैसे कोई बड़ा-सा जीव वहाँ बैठा है।

2
नदी की तलहटी में चमकदार गोल रुपए जैसे पत्थरों का किनारा था। उन पर चाँदनी फैली पड़ रही थी। भालू माँ उधर ही बढ़ी।

40
बच्चे जो गाय-भैंस चराते हैं उनकी भावनाएँ, क्षमताएँ बाहर आईं। उनकी सोच, कल्पनाएँ और आज़ाद, बुलन्द आवाज़।

11
मज़ेदार तथ्य यह है कि वेस्टइंडीज़ के नाम से किसी भी देश का अस्तित्व कभी नहीं रहा।

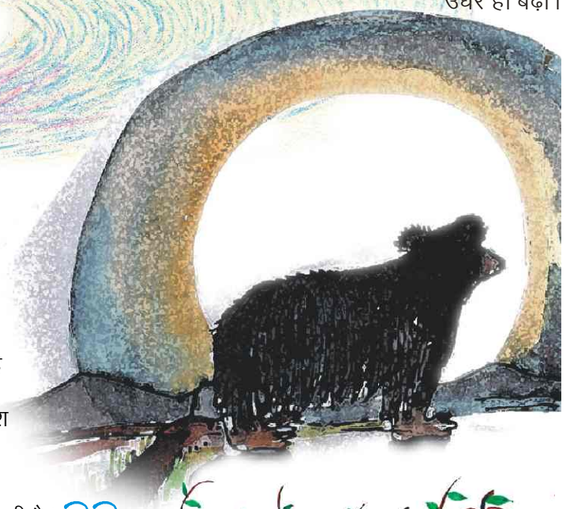

बात पुरानी है। 22
तब लाल बस टमाटरों, सेबों, चेरियों वगैरह-वगैरह में रहता था।

सम्पादन
सुशील शुक्ल
शशि सबलोक

सहायक सम्पादक
कविता तिवारी

सम्पादकीय सलाहकार
रेक्स डी रोज़ारियो
बेजी ग्रोवर

: आवरण :
तापोषी घोषाल

विज्ञान सलाहकार
सुशील जोशी

डिज़ाइन
दिलीप चिंचालकर

वितरण
विजय झोपाटे

सहयोग
मिहिर
कनक
प्रभात
कमलेश यादव

सदस्यता शुल्क
एक प्रति: 20.00
वार्षिक: 200.00 (व्यक्तिगत)
300.00 (संस्थागत)
तीन साल: 500.00 (व्यक्तिगत)
700.00 (संस्थागत)
आजीवन: 3000.00 (व्यक्तिगत)
4000.00 (संस्थागत)

सभी डाक खर्च हम देंगे।
चन्दा (एकलव्य के नाम से बने) मनीऑर्डर/चैक से भेज सकते हैं।
भोपाल के बाहर के चैक में 80.00 रुपए अतिरिक्त जोड़ें।

एस.आई.जी/आई.सी.आई.सी.आई. बैंक के वित्तीय सहयोग से प्रकाशित।

एकलव्य

ई-10, शंकर नगर, बीडीए कॉलोनी, शिवाजी नगर भोपाल, म.प्र. 462 016
फोन: (0755) 2671017
2550976
फैक्स: (0755) 2551108
chakmak@eklavya.in
circulation@eklavya.in
www.eklavya.in